



14 सितंबर, 2022

हिंदी दिवस संदेश

डीएफसीसीआईएल परिवार के मेरे साथियो,


हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ!

भाषायी विविधता एवं बहु आयामी संस्कृति के बावजूद राजभाषा हिंदी ने स्वतंत्रता से लेकर आज तक पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोकर अनेकता में एकता की धारणा को पुष्ट किया है। हिंदी हमारे देश की राष्ट्रीय एकता और अस्मिता का सबसे शक्तिशाली एवं प्रभावी माध्यम है। हिंदी हमारे देश की सबसे बड़ी संपर्क भाषा है। यह देश के अधिकांश लोगों द्वारा पारस्परिक व्यवहार में प्रयुक्त की जाती है। हिंदी के इस महत्व को देखते हुए भारतीय संविधान में इसे संघ की राजभाषा का दर्जा दिया गया है।

हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में अपनाने के संवैधानिक उद्देश्यों को पूरा किया जाना सुनिश्चित करने के लिए यह आवश्यक है कि कार्यालयों में हिंदी में टिप्पण तथा पत्राचार को पर्याप्त रूप से प्रोत्साहित किया जाए। मैं सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील करता हूँ कि वे अपने कार्यालयों में राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत रुचि लें और स्वयं हिंदी में कार्य करके अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करें। संघ की राजभाषा नीति का आधार सद्भावना, प्रेरणा, एवं प्रोत्साहन है किंतु संबंधित अनुदेशों का अनुपालन उसी प्रकार दृढ़तापूर्वक किया जाना चाहिए जिस प्रकार अन्य सरकारी अनुदेशों का अनुपालन किया जाता है। हिंदी में काम करने के लिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण होगा कि भाषा को सरल एवं सहज रूप में लिखा जाए ताकि हिंदी जानने वाले तथा हिंदी न जानने वाले कर्मचारियों द्वारा यह आसानी से समझी जा सके तथा अपनाई जा सके।

आइए, हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर हम यह संकल्प लें कि हम सभी उत्साह, लगन और गर्व के साथ अपना कार्य हिंदी में करेंगे और राजभाषा अधिनियम, नियम एवं वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित प्रावधानों का अनुपालन करेंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे सामूहिक प्रयासों से हम अपना लक्ष्य अवश्य प्राप्त करेंगे और डीएफसीसीआईएल में हिंदी के प्रयोग को अभूतपूर्व नए आयाम देंगे।

जय हिंद !


(रविन्द्र कुमार जैन)
प्रबंध निदेशक